# The Baptism Of the Spirit

# पवित्र आत्मा का बपतिस्मा

वर्तमान, सारे संसार में एक धार्मिक जागरण तेजी से फैल रहा है। जो एक अत्यंत उन्नत आध्यात्मिकता को प्रकट कर रहा है। यह पवित्र आत्मा का बपतिस्म के नाम से जाना जाता है। इस धार्मिक जागरण में पवित्र आत्मा का चमत्कार का वरदान आदि कलिसिया के प्रेरितों को दिया गया था। यह धार्मिक और आत्मिक जागृति मसिही की ओर ध्यान आकर्षित करता है तथा लोग इसके बारे में अधिक जानना चाहते है। अनेक लोग अति निकट से इस पवित्र आत्मा का आग के बारे में अधिक जानकारी के लिए बहुत ही इच्छुक है, क्या यह बपतिस्म परमेशवर से ही है ? क्या आदि कलिसिया के जैसे हम भी इस वरदानो को हमारे कलिसियों में पा सकते है ? इस प्रकार कि पवित्र आत्मा की वरदानों पहली कलिसिया में प्ररितो को दिया गया था। उसके बाद भी नया नियम का कुछ समय प्ररितों के सेवाकाम में देखा गया था, परन्तु वह वरदान इस समय लुप्त हो गया है। आधुनिक पेन्टिकण्ट का वेदारी विश शताब्धि में अधिक रूप में आग कि तरह संसार में फैल गया था। विशेषकर के दक्षिण कटिफरनिया में 1901 साल जनवरी पहला तारखि को एक व्यक्ति हस्तार्पण के द्वारा पवित्र आत्मा का दान पा कर अन्य भाषा में बोलने लगा। 1906 साल में अन्य सात लोग भी पवित्र आत्मा में होकर अन्य भाषा में बोले थे। अमेरिका का लॉस एन्जेलस नगर का असुसा स्ट्रीट में एक मिशन का गठन किया गया। इस मिशन के द्वारा पवित्र आत्मा की बपतिस्म के बारे में



सारे दुनिया में प्रचार करना शुरू कर दिया गया। इस प्रकार कि शिक्षा और सिधांतो को पुर्ण सुसमाचार के नाम में कहा गया। उध्धार के अनुभव में पवित्र आत्मा का काम से बंढकर है पवित्रआत्मा का विशेष वरदाने। यह जागरण चार कोने का सुसमाचार के नाम से भी जाना जाता है, इसका चार कोण या विषय है, वे हैं- 1. संपूर्ण पवित्रीकरण, 2. पवित्र आत्मा कि बपतिस्म के द्वारा अन्य भाषा बोलना, 3. विश्वास से चंगाई और 4. पवित्र आत्मा के द्वारा चिन्ह और चमत्कार। शुरूआत में पेन्टिकष्ट कलिसिया "द नाजरिन चर्चेस ऑफ गॉड" इस जागरण में इस बात पर विश्वास करते है। फुल गॉसपाल बिजनेस मेनस फेलासिफ नाम का कलिसिया का कहना है कि पवित्र आत्मा का वरदान यूँ ही नहीं मिल सकता परन्तु इस वरदानों का पाए हुए लोगो से संगति रखने से मिलेगा। पवित्र आत्मा कि बपतिस्म का नाम से इस जागरण के बारे में हमे पवित्र परमेशवर का वचन के अनुसार अध्ययन करना चाहिए। बाईबल यहन्न 4:1 में बताती है "हे प्रिय, हर एक आत्मा की प्रतिति न करो" वरन आत्माओं को परखो कि वे परमेशवर की ओर से है या नहीं, क्योंकि बहुत से झूठे भविष्यद्वक्ता जगत मे निकल खडे हुए है। यह बहुत ही मुख्य विषय है कि अगर यह वेदारी या जागृति विस्ताविक पवित्र आत्मा से है, तब हम जरूर उसका अनादर करना उचित नहीं है क्योंकि बाईबल शिक्षा देती है: थिस्सुलुनिकियों 5:19 में "पवित्र आत्मा को न बुझाओं,

भविष्यवाणियों को तुछ न जानो"। पवित्र आत्मा के विरूध बोलना बहुत बडा पाप है, जिसका क्षमा नहीं है। अतएव पवित्र आत्मा कि बपतिस्म के विषय में हमें बहुत ही सोच-समझ कर बाईबल के अनुसार कदम बढाना चाहिए। बपतिस्म शब्द जल कि बपतिस्म के बारे में इस्तेमाल किया गया है। पाप क्षमा की जल की बपतिस्म मत्ति 20:22 के अनुसार बपतिस्म एक कलेश के रूप में, इब्रानीयों 9:10 के अनुसार बपतिस्म नसान के रूप में वर्णन किया गया है। ईफिसियों 4:5 में हम पढ सकते है कि " एक ही बपतिस्म है, वह है पापक्षमा का पानी का बपतिस्म। मरकूस 16:16 में लिखा है कि जो विश्वास के साथ बपतिस्म लेगा उसका उद्धार होगा। इब्रानीयों 6:2 में बपतिस्म का मूल सिधांत और शिक्षा के बारे में पढते है। यह हर एक व्यक्ति का व्यक्तिगत रूप में बपतिस्म का वर्णन किया गया है। यह सब बाईबल वचनो में हम केवल पानी का मन किराने का बपतिस्म के बारे में ही पढ सकते है। प्रेरित पऊलुस भी कहता है कि केवल एक ही बपतिस्म है। हम बाईबल में पढते हैं मत्ति 3:11 "मैं तो पानी से तुम्हें मन फिराव का बपतिस्म देता है, परन्तु जो मेरे बाद आने वाला है वह मुझसे श्क्तिशाली है, मैं उसके जूती उठाने के योग्य नहीं। वह तुम्हें पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्म देगा। इस वचन पेन्टिकष्ट के दिन में पूरा होता हुआ हम पढते है। इसलिए वचन के आधार पर आजकल पवित्र आत्मा की बपतिस्म के नाम कुछ भी नहीं है। अब प्रश्न है इस



प्रकार आत्मा का जागरण क्या हर कलिसियाओं में होना जरूरी है? कुछ लोग कहते है कि सचमूच चर्च है तो वहाँ पवित्र आत्मा का बपतिस्म होना जरूरी है। उत्तर में हम कहते है :- **<u>1. जहाँ वास्तविकता के लिए आत्मा का बपतिस्म का होना जरूरी कहा जाता हैं, वहाँ सुसमाचार का अनुग्रह का अनादर किया जाता हैं।</u>** हम सब अच्छी तरह जानते हैं कि केवल अनुग्रह से ही विश्वास के द्वारा हम उधार पाते हैं। यदि हमारे उध्धार के लिए पवित्र आत्मा की बपतिस्म की जरूरत हैं तो केवल अनुग्रह से विश्वास के द्वारा ही उदार का बाईबल शिक्षा का उलंघन किया जाता हैं। हम अपने शिक्षा और सिधान्तों को बाईबल से ही लेना चाहिए। हमारे उदार की अनुभव में कौन कौन वरदान का होना हैं? ऐसे कुछ भी नहीं। मरकुस 16:17 में पढते है कि विश्वास करने वालो मे ये चिन्ह होंगे की वे मेरे नाम से दुष्टआत्माओं को निकालेंगें, नई नई भाषाओं में बोलेंगे, सापो को उठा लेंगे और यदि वे प्राणनाशक वस्तुए भी पी जाए तो भी उनकी कुछ हानी न होगी, वे बीमारी पर हात रखेंगे और वे चंगे हो जाऐंगे। यहा पाँच चिन्हों के बारे मे पढते हैं। वरदान के बारे मे नहीं फिर भी इस वचनों कितना दुर आज कल कि विश्वासियों का जीवनो में पुरा होता हुआ देख सकते हैं। यहन्ना 14:12 में यीशु कहता हैं मुझ पर विश्वास करने वाले मुझ जैसे काम करेंगे, उससे भी बडे बडे काम करेंगे। इस वचन के अनूसार कितने

लोगो ने किया। बाईबल के अनुसार सच्चा विश्वास अलग प्रकार के है वे है :-

1. उसके वचन में बने रहना यहन्ना 8:31 के अनुसार।

2. विश्वास को मूह से अंगिकार करना रोमियों 10 : 9-10 के अनुसार

3. अपने भाई को अपने जैसा प्रेम दिखाना, भाई चारा प्रेम यहन्ना 13 : 35, तथा गलातियों 5:22-23 में लिखा गया आत्मा का नौ फल। कुछ लोगो का सोचना हैं कि अगर कोइ पवित्र आत्मा का बपतिस्म नहीं पाया हो तो वह परमेशवर का चूना हुआ एक दास नहीं है, चाहे वह उध्धार पाया हुआ व्यक्ति भी क्यों न हों, उसका उध्धार के समय चाहे प्रभू यीशु मसीह को अपने उध्धार कर्त्ता के रूप में ग्रहण भी किया क्यों न हो। फिर भी वह एक अच्छा नेता नहीं बन सकता। बाईबल में प्रभु यीशु मसिह हमसे कहता है (यहन्ना 16:14 में) "वह (पवित्र आत्मा) मुझको महिमा देगा, मेरे से जो कुछ पाएगा वह तुम्हे सिखाएगा।" पवित्र आत्मा का काम का बढाई करना अच्छी बात है लेकिन पवित्र आत्मा हमारा प्रभू यीशु से भी बढा है कहना वचन के अनुसार गलत है। पवित्र आत्मा का वरदान विशवासीयों का चिन्ह नहीं है परन्तु वास्तविक प्रेरितों का चिन्ह स्वरूप है। प्ररितों को काम पूरा पुस्तक में इस बात को हम पढ सकते है। इस वरदानो को सिर्फ



प्रेरितो को ही दिया गया था विशवासियों को नहीं। अन्य भाषा में बोलना भी प्रेरितो को तथा प्रेरितो के द्वारा अन्य विशवासियों को मिला थ। कुछ स्थानों में जैसे प्रेरितो का काम 19:6 के अनुसार प्रेरितो के सरपर हाथ रख कर प्रार्थना करने के द्वारा पवित्र आत्मा मिला। परन्तु जैसे करनेलियुस का साथ हुआ प्रेरितो का काम 10:45-47 में पढते है। यह वे सरपर हाथ रख कर प्रार्थना करने के द्वारा नहीं परन्तु जब बे प्रचार करते थे तब लोग अन्य भाषा में बोलने के लिए सामर्थ पूराबाईबल स्पष्ट रूप से सिखती है कि पवित्र आत्मा का वरदान प्रेरितों के लिए ही है और उनके लिए चिन्ह है। मरकुस 16:17 में पढते है विश्वास करने वालो के लिए यह पाँच चिन्हें होंगे। उसके बाद उन्होंने (प्रेरितो ने अर्थात उसके चेलो ने) निकल कर हर जगह प्रचार किया और प्रभु उनके साथ काम करता रहा और उन चिन्हों के द्वारा जो साथ-साथ होते थे। वचन को दृद करता रहा 20 वचन में पढते हैं। प्रेरितो का काम 16:18 में पढते है कि "प्रेरित पौलूस यीशु के नाम से दुष्ट आत्मा को निकालता है। प्रेरितो का काम 2:4 में उन्होनें अन्य भाषा वाले पेरितो के काम 28:5 में पढते है कि प्रेरित पौलुस को एक विशधारी काटने पर उसका कुछ हानी नहीं हुआ। प्रेरितो कि प्रार्थना से चिन्ह और चमत्कार होता था " प्रेरितो का काम 2:43 में पढते है" और सब लोग पर भय छा गया और बहुत से अदभूत काम और चिन्ह प्रेरितो के द्वारा प्रकट

होते थे। हम यह नहीं पढते कि सबके द्वारा चिन्ह और चमत्कार हुआ वरन पढते है कि प्रेरितो के द्वारा बहुत से चिन्ह और चमत्कार हुआ। प्रेरितो का काम चौथे अध्याय में पतरस रोमिय सरकार की अधिकारीयों के द्वारा सताए जाने के बाद परमेशवर से प्रार्थना करता है " हे परमेशवर हमारे सुन और अपनी हाथ बढा कि बिमारी चंगा हो जाए और यीशु मसीह के नाम से चिन्ह और चमत्कार प्रकट हो। कुछ वचनो के बाद हम पडते कि जब वह प्रार्थना कर चुका तो वह स्थान जहाँ वे इकठठा थे हिल गया और वे सब पवित्र आत्मामें परिपूर्ण हो गए और परमेश्वर का वचन हियाब से सुनाते रहे। वचन 33 प्रेरितो बडी सामर्थ से प्रभु यीशु के जी उठने की गवाही देते रहे और उन सब पर बडा अनुग्रह था। रोमियो कि पत्री में प्रेरित पौलस शिक्षा देते हुए कहता कि वरदानें सुसमाचार की प्रचार के लिए हैं अन्य जाति लोगों को आज्ञाकारी बनाने के लिए हैं पवित्र आत्मा की सामर्थ के द्वारा परमेश्वर का वचन का सामर्थ का प्रकाट करना हैं। हम इब्रानीयों का पत्रो दुसरा अध्याय 2:3-4 में पढते तो हम लोग ऐसे बडे उध्धार से निश्चित रहकर कैसें बच सकते हैं। जिसकी चर्चा पहले पहल प्रभु के द्वारा हुई और सुनने वालो के द्वारा हमें इसका निश्चय हुआ और साथ ही परमेश्वर भी अपनी इच्छा के अनुसार चिन्ह और अदभुत कामो और नाना प्रकार के सामर्थ्य के कामो और पवित्र आत्मा के वरदानों के बाँटने के द्वारा जिसकी गवाही देता रहा। कुरिन्थियों 12:11-12 में प्रेरित पौलुस



कहता हैं तुम्हें तो मेरी प्रशंसा करनी है क्योंकि यधपि में कुछ भी नहीं तो भी उन बडे से बडे प्रेरितों से किसी बात मे कम नहीं हु, प्रेरितों के लक्षण भी तुम्हारे बीच सब प्रकार के धिरज सहित चिन्हों और अदभुद कामों, और सामर्थ्य के कामो से दिखाय गए। यह चिन्हों और अदभुत कामों प्रेरितो का लक्षण कर के पवित्र शास्त्र स्पष्ट रूप से बताती हैं। पवित्र आत्मा का वारदान से चिन्ह और अदभुत काम कुछ समय के लिए हुआ करता था। कलिसियों को पहचान करवाने के लिए और सुसमाचार परमेश्वर का वचन का सामर्थ प्रकट करने के लिए। कारण उस समय ज्यादा प्रचारक नहीं थे कि हर स्थान में परमेश्वर का वचन को फैलाए । वह था प्रेरितो का समय, बढते बढते प्रचारक भी बढ गए, परमेश्वर का वचन का अर्थात सुसमाचार का प्रचार कोने कोने में किया गया और बिना चिन्ह और अदभुत काम, लोगों ने सुसमाचार में विश्वास किया, ग्रहण किया और उध्धार पाया, प्रचार किया। परमेश्वर अपने इच्छा से ही चिन्ह और अदभुत कामो को करता हैं ताकि लोग विश्वास करे और उध्धार पाए । अगर चिन्ह और कामो हैं और उध्धार नही हैं तो चिन्ह और अदभुत काम का कोइ लाभ नहीं। हम कुरिन्थियों 12 अध्याय में पढ सकते हैं कि प्रेरित पौलुस कलिसिया में पवित्र आत्मा का वारदानो के बारे में बताता हैं। कुरिन्थियों 12:4-11 "वरदान तो कई प्रकार के हैं परन्तु आत्मा एक ही हैं, और सेवा कई प्रकार की हैं परन्तु प्रभु एक ही हैं और प्रभावशाली कार्य कई प्रकार

की हैं परन्तु परमेश्वर एक ही हैं। जो सब में हर प्रकार का प्रभाव उत्पन्न करता हैं। किन्तु सबको लाभ पहुचाने के लिए हर एक को आत्मा का प्रकाश दिया जाता हैं क्योकि एक आत्मा के द्वारा बुध्दि कि बाते बता दी जाती हैं, और दुसरे को उसी आत्मा के अनुसार ज्ञान की बाते। किसी को उसी आत्मा के द्वारा विश्वास और किसी को उसी एक आत्मा के द्वारा चंगा करने का वारदान दिया जाता हैं। फिर किसी को समर्थ्य के काम करने की शक्ति और किसी को भविष्यध्वणि की और किसी को आत्माओ की परख, किसी को अनेक प्रकार की भाषा और किसी को भाषाओं का अर्थ बताना। परन्तु यह सब प्रभावशाली कार्य वही एक आत्मा करता है, और जिसे जो चाहता है वह बाँट देता है। वचन 28-31 और परमेश्वर कलिसिया अलग अलग व्यक्ति नियुक्त किये हैं, प्रथम प्रेरित, दुसरे भविष्यवक्ता, तीसरे शिक्षक, फिर सामर्थ के काम करने वाले, फिर चंगा करने वाले और उपकार करने वाले और प्रबन्ध करनेवाले और नाना प्रकार की भाषा बोलने वाले। क्या सब प्रेरित हैं ? क्या सब भविष्यवक्ता हैं ? क्या सब उपदेशक हैं ? क्या सब सामर्थ्य के काम करने वाले हैं ? क्या सब को चंगा करने का वरदान मिला हैं क्या सब नाना प्रकार की भाषा बोलते हैं ? क्या सब अनुवाद करते हैं ? यहा हम अध्ययन करते हैं कि वरदाने पवित्र आत्मा के द्वारा कलिसिया में बाटा जाता हैं। वे वरदाने सब को नहीं, कुछ लोगो को ही दिया जाता हैं। एक अच्छा मसीह बनने के लिए इन



वरदानों को या वरदानो में से एक या दो प्रमाण के रूप में या पहचान के लिए नहीं चाहिए अर्थात सच्चा और सहि विश्वास के लिए अर्थात उध्धार पा कर सच्चा विश्वासी बनने के लिए इस वरदानो का होना जरूरी नहीं हैं। फिर मरकुस 16:17 में प्रभु यीशु जब कहता है, विश्वास करने वालो के लिए यह सब चिन्ह होने का मतलब हर विश्वासी के लिए नहीं वरन जो विश्वास से परमेशवर का वचन प्रचार करता है। तो परमेशवर अपने शक्ति प्रकट करने के लिए अपना वरदाने उस विश्वासी के द्वारा प्रकट करता है। कोई भी सही मसीह अपना शक्ति से सामर्थ का काम नहीं कर सकता, जब तक परमेशवर उसका साथ में न हों। एक सही विश्वासी का चिन्ह वरदान नहीं है। इफिसियो 4:11 मे कुछ को प्रेरित नियुक्त किया और कुछ को भविष्यवक्ता नियुक्त करके और कुछ को सुसमाचार सूनाने वाला नियुक्त करके और कुछ को रखवाले और उपदेशक नियुक्त करके दे दिया। जिससे पवित्र लोग सिद्ध हो जाए और सेवा का काम किया जाए और मसीह का देह उन्नति पाए। यह ध्यान देने का बात है कि कुछ - कुछ को सबको या हर एक को नहीं। व्यवस्थाविवरण 13:1-4 "यदि तेरे कोई भविष्यवक्ता या स्वप्न देखने वाला प्रगट हो कर तुझे कोई चिन्ह या चमत्कार दिखाए और जिस चिन्ह और चमत्कार प्रमाण ठहरा कर वह तुझ से कहे "आओ हम पराए देवताओं के अनुयायी होकर जिससे तुम अब तक अनजान रहे उसकी पुजा करे, तब तुम उस भविष्यवक्ता या स्वप्न देखने वाले का वचन

पर कभी कान नहीं देना क्योंकि तुम्हारा परमेशवर यहावा तुम्हारी परिक्षा लेगा, जिससे यह जान ले कि ये मुझ से अपने सारे मन और सारे प्राण के साथ प्रेम रखते या नहिं। तुम अपने परमेशवर यहोवा के पीछे चलना और उसका मानना और उसकी अज्ञाओ पर चलना और उसीका सेवा करना । कुछ लोग कहते है की पवित्र आत्मा का बपतिस्म का प्रमाण है, अन्य भाषा बोलना। यह परमेशवर का वचन का विरूध है, सैतान भी अन्य भाषा बोलता है कि कौन सी अन्य भाषा पवित्र आत्मा से और कौन सी अन्य भाषा दुष्ट आत्मा से अर्थात सैतान से, कैसे मालुम होगा। यीशु पवित्र आत्मा में पूर्ण हुआ वरन अन्य भाषा नहीं बोला, दुसरो का भला किया। प्ररितो ने पवित्र आत्मा से पूर्ण हुआ अन्य भाषा से बोला अन्य लोग को समझ सके। आप कौन सा अन्य भाषा बोलते है? आपका अन्य भाष क्या अन्य लोग समझते है ? प्ररित ने पवित्र आत्मा पाया, हियाव से सुसमाचार प्रचार किए, सुसमाचार के लिए अपनी जान भी दिए। आज कौन ऐसा करता है। यदि पवित्र आत्मा का वरदान सचमुच मसीह विशवास के लिए चाहिए होता, तब हमें पहला कुरिन्थियों 14:22 जो कहता है " इस लिए अन्य भाषाएँ विश्वासियों के लिए चिन्ह नहीं है, पेन्टिकष्ट कलिसियों में लोगों को सदस्य के रूप से लेने से पहले परखते हैं कि उनका पाश आत्मा की सामर्थ्य हैं या नहीं, अगर नहीं हैं तो उनको कलिसिया में सामिल नहीं करते हैं। वह जो करते हैं यह गलत हैं। वे आप पवित्र आत्मा का



वरदान का अपनी मर्जी से प्रकट करने का दावा करते हैं। हमारे उध्धार का काम हमारे सामर्थ्य से नहीं होता, वह तो परमेश्वर का अनुग्रह दान हैं । हम विश्वास के द्वारा तथा परमेशवर की अनुग्रह के द्वारा उध्धार पाते है। पवित्र आत्मा का वरदान को मनुष्य अपने इच्छा से प्रकट नहीं कर सकता वरन परमेशवर अपनी मर्जी से अपनी दासो के द्वारा उनका सेवकाई का माध्यम से प्रकट करके वचन का सामर्थ का प्रमाण करता है। यह सब कह कर हम पवित्र आत्मा का विरूध पाप नहीं करते लेकिन हमारे प्रभु यीशु मसीह के वचन का पालन करते हैं, जिसमे कहा गया हैं आत्माओं को परखों। तेरे पास जो कुछ भी है उसे थामे रख कि तेरा मुकुट कोई छीन न ले। **II. शारिरिक चंगाई प्ररितो का विश्वास की चिन्ह के प्रतिज्ञा के रूप में नहीं दिया गया था, यह निश्चय है।** शारिरिक चंगाई चार कोणा वाला सुसमाचार का एक भाग है। यह गलत है। बाईबल के अनेक वचन इसके विरूध में पाया जाता है। मत्ती 25 अध्याय में यीशु मसीह कहता है मैं बिमार था और तुम मेरे शुद्धी ली, क्यों नहीं कहा तुम ने मुझे चंगा किया। पहला कुरिन्थियों 12:7 में कहता है "इसलिए कि मैं प्रकाशनो कि बहुत आयत से फुल न जाऊ मेरे शरीर में एक विमार था ? उतर स्पष्ट हैं कि चंगाई हमेशा के लिए नहीं दिया गया हैं, ना तो चंगाई सब को दिया गया, न सब का हैं। लेकिन याकुब का 5 अध्याय में हम पढते हैं कि अगर तुम्हारे बीच कोइ बीमार हैं, तो वह कलिसिया के प्राचिनो को

बुलाओं और वे प्रभु के नाम से उस पर तेल मलकर उसके लिए प्रार्थना करे, विश्वास की प्रार्थना के द्वारा प्रभु उसको चंगाई दे कर खडा करेगा और यदि उसने पाप किया हो तो भी क्षमा हो जाएगा। यहा अभिषेक पाया हुआ या वरदान पाया हुआ सेवक के द्वारा तेल मलाना एक पवित्र आत्मा का वारदान काम नहीं बरन प्राचीन काल में चंगाई के लिए साधारण रूप से रोगीयों को तेल मलाया जाता था। ग्रीस देश का स्वास्थ्यविशेषज्ञ गालेन का यह कहना हैं। लुका 10:34 और यशायह 1:6 के अनुसार घावों में भी तेल मलाया जाता हैं। दैवीक चंगाई यीशु मसीह के क्रुस पर मृत्यु के द्वारा मिलता हैं। लिखा हैं, उसके कोडे खाने से हम चंगा हुए, प्रभु यीशु मसीह पाप से और पाप के द्वारा उत्पन्न हर एक बुरे काम से हमे छुटकारा दिया। विश्वास के द्वारा हम हर गुराई से और हर रोगों से छुटकारा पा सकते हैं। यशायाह 53:4-5 निश्चय उसने हमारे रोगो को सह लिया हैं और हमारे ही दुखों को उठा लिया, तो भी हमने उसे परमेश्वर का मारा कुटा और दुर्दशा में पडा हुआ समझा, परन्तु वह हमारे ही अपराधों के कारण घायल किया गया, वह हमारे अधर्म के कामों के कारण कुचला गया, हमारे ही शान्ति के लिए उसपर ताडना पडी, कि उसके कोडे खाने से हम चंगा हो गए, यह एक बहुत बडा गलत फेमिन हो जाता हैं कि मसीह हमारे सारे बीमार को और रोगो को उठा लिया इसलिए मसीह संप्रदाय को उठाना जरूरत नहीं पडता। चाहे बीमार और रोग मसीह पूरे रिति से गाएब हो जाना



चाहिए। मसिह लोगो को चंगाई का जरूरत नहीं क्योकि विमार ही नही रहा तो फिर चंगाई का नाम भी नहीं रहा, फिर भी अगर विमार हैं तो पाप के कारण तो हैं, पर साथ साथ विश्वास का भी कमी के कारण हैं। पाप के कारण शरीर में रोग और आत्मा का भी आत्मिक रोग होता हैं। **III. अदभुत काम पवित्र जीवन का चिन्ह नहीं हैं।** यह सच्चाई का वचन स्पष्ट रूप से बाईबल में देख सकते हैं। अदभुत काम करने वाला मनुष्य परमेश्वर का जन हैं या नहीं। एक अच्छा मसिह हम अदभुत काम को देखकर कह नहीं सकते। बाईबल में व्यवस्था विवरण 13 अध्याय में हम पढ चुके हैं कि झुठा भविष्यवक्ताओं चिन्ह और अदभूत काम करते है परन्तु वे मनुष्य को हित के लिए नहीं। विश्वास से परमेशवर के लोगो को भरमाने के लिए। परमेशवर के दास मुसा ने अदभुत काम किया, मिस्र देश का गुणी और जादुटोणा करने वालो ने भी ऐसे ही किया। मती 7:21-22 में यीशु ने कहा, जो मुझसे हे प्रभु हे प्रभु कह कर बुलाता है, उसमे से हर एक स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता परन्तु वही हैं जो मेरे स्र्वगीय पिता की इच्छा पर चलता है। उस दिन बहुत से लोग मुझ से कहेंगे, हे प्रभु क्या हम ने तेरे नाम से भविष्यवाणी नहीं की ? और तेरे नाम से दुष्टआत्माओं को नहीं निकाला और तेरे नाम से बहुत से आश्चर्यकर्म नहीं किया, तब मैं उन से खुल कर कह दुंगा, मैने तुमको कभी नहीं जाना, हे कुकर्म करने वाले मेरे पास से चले जाओ। फिर से मत्ती 24:24-25 में प्रभु यीशु मसीह

कहता है "क्योंकि झुठे मसीह और झुठे भविष्यवक्ताओं उठ खडा होंगे और बडे बडे चिन्ह और अदभुत काम दिखाएगे कि यदि हो सके तो चुने हुओ को भी भरमा दे । चमत्कार और अदभुत कामो कोई अच्छे कलिसियो के लिए चिन्ह स्वरूप नहीं हो सकता कारण उस चमत्कारो और अदभुत कामो शैतान से भी हो सकता है। अधिकतर अदभूत कामो करने वालो मे से शारिरिक चंगई का ही अदभुत करते हैं। यहन्न: 14:12 में जो यीशु ने कहा उसके अनुसार यीशु की तरह आज कल कोइ भी पानी दाख रस में बदलता नहीं या तुफान को आज्ञाय देकर थमाता नहीं, चमकारो का परखा जाना चाहिए। जब कोइ अदभुद काम बइबल के वचन के अनुसार करता हैं तो वह सच मुच चमत्कार हैं। यीशु ने अपनी करने वाला चमतकारो के बारे में कहते थे "मैं जो कामों को करता हु, वह मेरे साक्षी हैं की मुझे पिता ने भेजा"। यहन्न 5:36 हम यह नहीं कहते की चमत्कार कुछ प्रमाणित नहीं करता, यह हम जरूर कहेंगे अगर वे वचन के अनुसार न हो। यीशु मसीह का सारा चमत्कार वचन के अनुसर ही था। परमेस्वर इस विशेष उदेश्य से ही चमतकार करता है कि लोग उसे जान ले कि व अदभुद करने वाला परमेस्वर हैं। और उसके द्वारा सच्चा और जीवित परमेसवर पर लोग विश्वास करे। हमारे प्रभु यीशु मसीह का वचन कहता हैं "2 थेस्सोलोनिकियो 2:9 उस अधर्म का आना शैतान के कार्य के अनुसार सब प्रकार की झुठी सामर्थ्य और चिन्ह और अदभुद



काम के साथ होगा। प्रकाशित वाक्य का 13:13 में भी यही वचन लिखा हैं "बडे बडे चिन्ह दिखाता हैं । यहा तक की मनुष्य के सामने स्वर्ग से पृथ्वी पर आग बरसा देता हैं जगत में होने वाले चमतकारो से विश्वासीयों का विश्वास कि परख होता हैं। व्यवस्थाविवरण 13:3 में मुसा कहता हैं " तब तुम उस भविष्यवकता या देखने वाला के वचन पर कभी कान न लगाना क्योंकि तुम्हारे परमेश्वर यहोवा तुम्हारा परीक्षा लेगा जिससे यह जान ले की ये मुझ से अपने तन मन और सारे प्राण के साथ प्रेम रखते या नहीं। हमारे प्रभु यीशु मसीह लुका 16:29-31में यह शिक्षा देता हैं लिखा हैं "अबरहम ने उससे कहा उनके पास तो मुसा और भविष्यवकताओ है, अगर वे उनका नहीं सुनते हैं तो यदि मरे हुआ में से कोई जी उठे और उनका पास जा कर कहे तभी उनकी नहीं सुनेंगे। पतरस जो हमारे प्रभु यीशु मसीह का पर्वत पर अदभुत रूपान्तर को देखा हैं वह पतरस का 1:19 में वर्णन करता हैं " हमारे पास जो भविष्यवकताओ का वचन हैं वह इस घटना से द्रुढ ठहरा तुम अच्छा करते हो जो यह समझ कर उस पर ध्यान करते हैं कि वह एक दिया हैं जो अन्धियारे स्थान में उस समय तक प्रकाश देता रहता हैं जब तक कि पौ न फटे और मोर को तारा तुम्हारे हृदय में न चमक उठे।

**IV भविष्यवाणीयों का बाईबल की वचन के अनुसार परखा जाना चाहिए।** यूहन्न 4:1 में बाईबल हमें सिखाती हैं "हें प्रियों हर

एक आत्मा कि प्रतिति न करो, वरन आत्माओं का परखो कि वे परमेश्वर की ओर से हैं या न, क्योंकि बहुत से झुठे भविष्यवकता जगत में निकल खडें हुएँ हैं'' I थेसलोनिकियो 5:19-21में लिखा हैं " पवित्र आत्मा को शेकित मत करो, भविष्यवाणी को तुछ न जानो, वरन परखो, कृपाया इन वचनो को भी बाइबल से पढिए :- II पतरस 2:1-3 प्रकाशितवाक्य 13:13 मत्ती 7:21:22

**V. यदि पहला कुरिन्थियों 12:28-29 के अनुसार अन्यभाषा पवित्र आत्मा का दान हैं तब I तिमुथियुस 4:1 के अनुसार शैतान भी अन्य भाषा दे सकते हैं।** यह अनुवाद का प्रश्न उठाया गया। हम बाइबल में पहला कुरिन्थियों कि 14 अध्याय में अन्य भाषा के बारे में पडते है, वह प्रेरितो कि कामों की पुस्तक में पाया जाने वाली अन्य भाषा जैसा हैं ? या उससे अलग हैं ? क्योंकि पवित्र आत्मा में भरकर जब प्रेरितो ने बोला तो वह अन्य लोग समझने और बोलने वाला भाषाए थी। जो प्रेरितो को नहीं मालुम था, लेकिन पवित्र आत्मा उनको सामर्थ्य दिया ताकि वे उस अन्य लोगो की भाषा को बोले I कुरिन्थियों 14 अध्याय में हम जिस अन्य भाषा के बारे में पढते है उसे कोई समझ नहीं सकता। आज कल की कलिसियाओं में लोग जो अन्य भाषा में बोलते हैं उसे कोई समझता नहीं। यदि पेन्टिकष्ट के दिन के जैसे अन्य भाषा बोला जाए तो परमेश्वर की नाम का



महिमा होगा। लोग परमेश्वर का धन्यावाद करेगे, प्रश्न आजकल का अन्य भाषा न तो कोई समझ सकता है, ना बोल सकता हैं कि सचमुच यह अन्य भाषा पवित्र आत्मा का दान हैं। जब प्रेरित पौलुस अपनी कुरिन्थियों के पत्री में अन्य भाषा के बारे में सिखाता हैं तो उसे एक छोटा दान के रूप में प्रकट करता हैं। "पवित्र आत्मा का अन्य वरदानों और भविष्यवाणी के तुलना में" विश्वासीयों को I. कुरिन्थियों 3:1-3 में पौलुस कहता हैं कि वे प्रभु में बच्चे हैं और I. कुरिन्थियों 14:23 में कहता अतः यदि कालसिया एक जगह इकठी हो और सब अन्य भाषा बोले और बाहर वाले या अविश्वासी भीतर आ जाए तो क्या वे तुम्हे पागल ना कहेगे ? वचन 24-25 ''परन्तु यादि सब भविष्यवाणी करने लगे और कोई अविश्वासी और बाहर वाला मनुष्य भीतर आ जाए तो सब उसे दोषी ठहरा देगे और परख लेगे और उसके मन के भेद प्रकट हो जाएगे और तब मुहँ के बल गिर कर परमेश्वर को दण्डवत्त करेगा और मान भी लेगा कि सचमुच परमेश्वर तुम्हारे बीच में हैं। अन्य भाषा अन्य वारदानो से श्रेष्ट नहीं हैं। I कुरिन्थियो 14:1- 4, 18-19, 39- 40 सब से पहले पवित्र आत्मा पाया हुआ हर विश्वासी अन्य भाषा बोलना यह वचन बाईबल के शिक्षा के अंतरगत नहीं हैं। या अन्य भाषा सच्चा विश्वासी का चिन्ह नहीं है। कृपया I कुरिन्थियो 12:1 को पढिए। योशु मसीह जो हमारा प्रभु है पवित्र आत्मा से पुर्ण थे।

अभीषेक से भरे हुए थे, वह कभी भी अन्य भाषा नहीं बोले। तिमुथियुस और तितस पुस्तकों में जब पास्टर बनने का जो योग्यताओ का सूची दिया गया हैं वह अन्य भाषा के लिए कोई स्थान नहीं हैऔर I कुरिन्थियो का 12अध्याय में पवित्र आत्मा की वारदानो की सूचि में अन्य भाषा कि स्थान आखिर में हैं। रोमियों की पत्री 12:6-8, इफिसियों 4:11-12 में वर्णीत पवित्र आत्मा की वारदान कि सूचि में अन्य भाषा के लिए स्थान नही हैं। पौलुस I. कुरिन्थियों 12:31में कहता हैं कि वे अन्य भाषा से बडकर अन्य वारदान का धुन में रहें। I. कुरिन्थियों 14:40 के अनुसारअगर अन्य भाषा का अनुवाद नहीं तो कलिसिया में अन्य भाषा का कोई लाभ नही अर्थात नहीं बोलना चाहिए। अन्य भाषा का विषय एक बहुत बडा प्रश्न हैं, लेकिन वचन के अनुसार अन्य भाषा का परख तथा कलिसियो में उसका उपयोग सही रिति से किया जाना चाहिए। हम अन्य भाषा का विरूध नहीं करते हैं लेकिन हम परमेश्वर का वचन के अनुसार ही अन्य भाषा का उपयोग करते हैं। पवित्र आत्मा का वपतिस्मा का चिन्ह अन्यभाषा नहीं हैं। पवित्र आत्मा का वपतिस्मा पानी के बपतिस्म के साथ होता हैं। जैसे यूहन्ना 3:3-6 में लिखा हैं। यीशु ने पानी में वपतिस्मा लिया जब वह पानी से उपर आया तो पवित्र आत्मा कबूतर के रूप में आ कर उनका उपर बैठ गया अर्थात आत्मा का भी वपतिस्मा पानी का वपतिस्मा के साथ साथ हुआ। आपका साथ भी ऐसे ही होता हैं। कुछ लोग कहते हैं कि जो



अन्य भाषा नहीं बोलते हैं उनको पवित्र आत्मा नहीं मिला हैं। कृपया कुरिन्थियों 12:1-3 को पढे, "हे भाईयों मै नहीं चहता कि तुम आत्मिक वरदानो के विषय में अनजान रहो। तुम जानते हो कि जब तुम अन्य जातियों थे तो गुंगी मुर्तियो के पिछे चले जैसे चले जाते थे वैसे ही चलते थे। इसलिए मैं तुहे चेतावनी देता हु कि जो कोइ भी आत्मा की अगवाइ से चलता हैं वा नहीं कहता कि यीशु स्रापित हैं और ना कोइ पवित्र आत्मा के बिना कह सकता हैं कि यीशु प्रभु हैं। मै आप से आग्रह करता हु की आप पवित्र आत्मा का विषय खुब सावधानी से अध्ययन करे '' पवित्र आत्मा आप के लिए हैं पवित्र आत्मा का वारदाने आपके सेवा काम को बढाने के लिए हैं वरन पवित्र आत्मा के बारे में गलत निर्णय आप का माफ ना होने वाला पाप हो सकता हैं इस वचन को कृपया ध्यान से बाइबल से पढे। मती 12:31-32 प्रभु पवित्र आत्मा आपका आगवाई, करे परमेश्वर आपको आशिष दे।